श्री मोहन लाल पिपिल : मंत्री महोदय ने बतलाया कि जो अच्छे सुझाव भेजे जायेंगे उन पर विचार किया जाएगा । कुछ संसद सदस्यों और मैंने भी कुछ सुझाव स्मगलर्स को खत्म करने के लिये मंत्री जी के पास भेज दिये हैं, लेकिन अभी तक मुझे उन का संतोषजनक उत्तर या एकनालिजमेंट भी नहीं मिला है ।

दूसरा प्रश्न--स्मगलर्स के खिलाफ, जिन की सांठगांठ अफसरों के साथ है, कुछ संसद सदस्यों और मैंने भी पत्र लिखा है । क्या उस पर आप ने अभी तक कोई एक्शन लिया है ?

श्री सतीश चन्द्र अग्रवाल : माननीय सदस्य ने दो प्रश्न पूछे हैं--जहां तक सुझावों के संबंध में उत्तर का प्रश्न है, उन्होंने जो महत्वपूर्ण और अमूल्य सुझाव दिये हैं, उन पर अमल किया जा रहा है, उत्तर मे ज्यादा अमल आवश्यक है । जहां तक अधिकारियों के संबंध में उन्होंने जानकारी दी है, मैं उन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि जिन-जिन अधिकारियों के संबंध में उन्होंने लिखा है--मैं समझता हूं प्रीमेच्योर-डिस्कलोजर विल नाट वी इन दि इन्टीरेस्ट आफ दि डिपार्टमेंट--उस संबंध में कार्यवाही कर रहे हैं ।

Flight Connection from Bhubaneswar to Konark

*347. SHRI JENA BAIRAGI: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state the steps taken or proposed to be taken to start flight connection from Bhubaneswar to Konark for its tourist importance?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोतम कौशिक) : भुवनेश्वर तथा कोणार्क के बीच कोई विमान सेवा परिचालित करने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है ।

SHRI JENA BAIRAGI: Is it a fact that even the minimum facilities by way of hotel accommodation and communication are not provided at the tourist centre of Konarak? If so what steps is the Hon. Ministers thinking of taking for removing the difficulties which the tourists are facing on account of lack of such facilities?

श्री पुरुषोतम कौशिक : यह सही है कि पर्यटन के विकास के लिए यातायात के अलावा एकोमोडेशन की भी जरूरत होती है । जहां तक यातायात का सवाल है माननीय सदस्य इस बात से सहमत होंगे कि कोणार्क भुवनेश्वर से केवल 64 किलोमीटर दूर है । भुवनेश्वर एक तरफ कलकत्ता से और दूसरी तरफ विशाखापतनम से हवाई मार्ग से जुड़ा हुआ है और किसी भी पर्यटक को 64 किलोमीटर मोटर से जाने में कोई दिक्कत नहीं हो सकती । अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी माननीय सदस्य की जानकारी के लिए बता दूं कि दोनों स्थानों को हर जगह से हवाई यात्रा के लिए जोड़ना संभव नहीं है ।

जहां तक आवास व्यवस्था का सवाल है, मैं माननीय सदस्य की जानकारी में ला दूं कि आई०टी०डी०सी० की तरफ से एक ट्रैवलर्स लांज वहां पर है । दूसरे टूरिस्ट डिपार्टमेंट, जो वहां पर हैं, उस की तरफ से भी एक टूरिस्ट लांज वहां है । जैसे-जैसे पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी, वहां पर निश्चित रूप से और सुविधाएं देने के बारे में विचार करेंगे ।

SHRI JENA BAIRAGI: I would like to know from the Hon. Minister whether Government have decided to have direct flight communication from Delhi to all the State headquarters of the country and if so when it will be done.

श्री पुरुषोतम कौशिक : अध्यक्ष जी, ऐसा कोई सरकार का निर्णय नहीं है कि अनिवार्य रूप से दिल्ली राजधानी को सभी

राज्यों की राजधानियों से हवाई मार्ग से जोड़ा जाए । भुवनेश्वर का मामला बहुत दिनों से उठाया जा रहा है । पिछले समय भी जब दिल्ली से भुवनेश्वर को हवाई मार्ग से जोड़ने की बात चली थी, तो इस बात का सर्वेक्षण कराया गया था कि कितने यात्री उपलब्ध होंगे । जो जानकारी मेरे पास है, उस के अनुसार जो सर्वेक्षण हुआ था, उस में 208 यात्री औसतन दिल्ली से भुवनेश्वर के लिए उपलब्ध थ । 208 यात्रियों के लिए, अध्यक्ष महोदय, किसी शहर को हवाई मार्ग द्वारा जोड़ना बहुत लाभप्रद नहीं है । छोटे हवाई जहाजों से अगर जोड़ने की हम कोशिश करेंगे तो उस में भी उतना ही समय लगेगा जितना कलकत्ता हो कर भुवनेश्वर जाने में समय लगता है बल्कि ऐसी स्थिति में यात्रा बहुत सुविधाजनक नहीं हो सकती । इस बीच में यात्रियों की संख्या में जो वृद्धि हो रही है, उस का सर्वेक्षण हो रहा है । इस के अलावा मैं यह भी बताना चाहता हूं कि बड़े जहाजों को चलाने के लिए हवाई पट्टी को बढ़ाने की भी जरूरत होती है । बड़े हवाई जहाज छोटी पट्टी पर नहीं उतर सकते । इसलिए ऐसी स्थिति मैं दिल्ली से भुवनेश्वर को जोड़ना, मैं समझता हूं, संभव नहीं है ।

SHRI JAGANNATH RAO: We are finding it difficult to go Bhubaneswar from Delhi. Previously there used to be two services of Fokker Friendship, each with a capacity of 44 seats and even if we ask for seats ten days in advance, we could not get.

We were having two services and then the second service was cancelled. Even the first service which used to leave at 10 a. m. is now leaving at 12.40 and we are required to stay for 4 hours.

What steps are the Government going to take....

MR. SPEAKER: That is another question.

SHRI JAGANNATH RAO: No, Sir. It arises out of his answer. He said that there is a direct flight from Calcutta to Bhubaneswar and then on to Vizag.

MR. SPEAKER: There is another question for that.

SHRI JAGANNATH RAO: The tourists are put to difficulty and we are put to difficulty.

The second supplementary was whether there was a direct flight from Delhi to Bhubaneswar. He said, 'No'. I am not asking that. I am saying that even the existing services are not functioning properly and we are put to difficulties so also the tourists and what steps are the Government going to take to remove these difficulties?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : मैंने ज़वाब इसलिये दिया लगातार माननीय सदस्यों की तरफ से भुवनेश्वर को जोड़ने के बारे में हमेशा प्रस्ताव आते रहते हैं, इसलिये मैंने जवाब दे कर उनको संतुष्ट करने की कोशिश की ताकि मेरी दिक्कत को समझ लें ।

जहां तक दूसरा जहाज जो है वह मेन्डेटरी इंस्पेक्शन के लिये अभी ग्राउण्ड किया गया है, और मैं बता देना चाहता हूं कि बहुत जल्दी वह शुरू हो जायगा और जो विलम्ब उनको होता है कलकत्ता में रुकने का वह नहीं होगा ।

श्री दुर्गा चंद : मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि चंडीगढ़ से कुल्लू तक जो हवाई सर्विस थी उसको दो साल से डिसकन्टीन्यू कर दिया गया और आपने आश्वासन भी दिया था कि यह फ्लाइट चल पड़ेगी । लेकिन वह अभी तक नहीं चली, इसके बारे में आपका क्या कहना है ?

SHRI C. N. VISVANATHAN: It is altogether a different question.

MR. SPEAKER: Mr. Durgachand, it does not arise out of the main question.

You are putting a different question. Only in respect of this question I will allow supplementaries. No other question I will allow.

SHRI RAGAVALU MOHANARANGAM: It is a well-known fact that there are so many historical places in Tamil Nadu....

MR. SPEAKER: No please. You may table a separate question if you want.

SHRI SARAT KAR: It is needless to say that Konarak is internationally famous and is one of the seven wonders of the world and unfortunately, even after 30 years of our independence we have no communication and anything of that sort. Though Orissa Government is pressing for a 5-star hotel and road communications and all other facilities but Central Government has not responded. We do not have even a direct air service to Bhubaneswar, what to speak of Konark? We do not solve a problem by rationalising Government's failure. Minister's reply is a sort of bureaucratic reply.

I therefore want a categorical reply from the Minister whether he will give us a direct air service from Delhi to Bhubaneswar, leave aside an air service to Konarak because if that is provided, the Orissa Government Tourist Department can take care of the road transport from Bhubaneswar to Konarak. I want a categorical answer.

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : जहां तक भुवनेश्वर और कोणार्क को जोड़ने का प्रश्न है वहां की राज्य सरकार से कोई प्रस्ताव नहीं मिला। दूसरे जैसे भुवनेश्वर को जोड़ने का लगातार प्रश्न किया जा रहा है तो मैं बता दूं कि जब तक हवाई पट्टी नहीं बढ़ेगी तब तक 737 बोइंग नहीं चलेगा, और हम यह प्रस्ताव रख रहे हैं छठी पंचवर्षीय योजना में, उसके विस्तार का प्रस्ताव हमारे विचाराधीन है। अगर विस्तार हो जायगा तो विचार करके बड़ा जहाज जोड़ने की कोशिश करेंगे।

PROF. P. G. MAVALANKAR: I was in Konarak last year with my wife and children....

SHRI C. M. STEPHEN: Let us hear that.

PROF. P. G. MAVALANKAR: In view of the experience I got there, and arising out of the answers given by the Minister I would say this. He said that the distance between Bhubaneswar and Konarak is only about 65 km and that there is a good motorable road and, therefore, air service to Konarak is not necessary. Secondly, in Konarak itself the ITDC and the Orissa Government have got tourist facilities.

In regard to both these matters my question is specific:

(a) Whether the Government of India and the Government of Orissa know that Konarak lacks almost totally the minimum essential facilities for tourists and the normal residents. My wife took suddenly and very seriously ill. She nearly died because of some water poisoning and it took us so much time to come from Konarak to Bhubaneswar and had we been late by only two hours, I do not know what would have happened to her. He is talking of ITDC facilities there. I want to know specifically whether the ITDC and the Tourism Department of Orissa together are providing minimum, adequate decent accommodation and clean drinking water and dependable eating facilities for tourists and residents so that this kind of almost near fatal accidents will not take place.

(b) It is said that the distance is only 64 km. I want to know whether it is the government's policy that even if a centre is very important from the point of view of tourism but because the distance is short, therefore, they will not think of an air link at all....

MR. SPEAKER: No.

PROF. P. G. MAVALANKAR: Because tourists come from all parts of India and the world and they want to save time and their time is important.

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : जहां तक माननीय सदस्य की शिकायतों का सवाल है, मैं देखूंगा और जांच कराऊंगा कि इसमें क्या हो सकता है। लेकिन जो प्राथमिक सुविधाएं हैं—जैसे कि बिजली और पानी —ये तो स्टेट टूरिज्म डिपार्टमेंट को देखनी चाहिएं। अगर आई टी डी सी के होस्टल्स में कोई अव्यवस्था होगी तो मैं जांच कराऊंगा। चूंकि माननीय सदस्य ने मेरा ध्यान आकर्षित किया है इसलिए मैं स्टेट गवर्नमेंट से बात करके देखूंगा कि इस तरह की शिकायतें दूर हों और वहां साफ पानी और बिजली की व्यवस्था हो।

जहां तक महत्वपूर्ण पर्यटक केन्द्रों को हवाई मार्ग से जोड़ने की बात है तो इसका टूरिस्ट डिपार्टमेंट से कोई सम्बन्ध नहीं है। फिर भी मैं जानकारी दे दूं कि कोनार में हवाई अड्डा बनाने के बारे में सिविल एविएशन डिपार्टमेंट ने सर्वे कराया था लेकिन यह पता लगा कि वहां की जमीन बहुत पोली है और वहां पर हवाई अड्डा बनाना बहुत किफायती नहीं होगा। एक्सपर्ट की राय के मुताबिक बहुत कीमती होगा और उसका कोई लाभ नहीं होगा। इस लिए इस योजना को छोड़ना पड़ा।

Imposition of ban on Export of Rose wood Timber Logs

+

*348. SHRI P. K .KODIYAN:
SHRI GEORGE MATHEW:

Will the Minister of COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

(a) whether Government have imposed a total ban on export of rosewood timber logs;

(b) if so, what are the reasons that prompted Government to impose such a ban;

(c) whether Government are aware of the fact that as a result of the ban on export of timber, several thousands of people engaged in the logging and exporting of rosewood in Kerala and Karnataka have been hard hit and the forest departments in these States have been deprived of their revenue from auctioning of timber; and

(d) if so, whether there is any proposal to reconsider the ban on export of rosewood timber logs?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SHRI ARIF BEG): (a) to (d). A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) The ban was imposed on 18-7-77 on the export of all timber logs including rosewood logs. However, pre-ban commitments were allowed upto the ceiling released for the year 1977-78.

(b) The ban was imposed with a view to encourage the export of veneers, plywood and other value added items of timber and also to develop indigenous industry which is both employment and export oriented.

(c) and (d). Taking into account the representations received from State Governments, log exporters, exporters, of veneers and other value added, items, the Government have decided to gradually phase out the exports in log form. For the current year a ceiling of 10,000 cubic meters has been prescribed which will be reduced to 6000 cubic meters in 1978-79. 3000 cubic meters in 1979-80 and to zero from then onwards. This decision has been taken to provide tim e for necessary adjustments and to allow the exporters to prepare themselves to export rosewood with added value which will fetch more foreign exchange and also provide additional employment opportunities.

SHRI P. K. KODIYAN: The statement says—

The ban was imposed with a view to encourage the export of veneers, plywood and other value added items of timber and also to develop in-